C M Y K

www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 100 नागपुर, सोमवार,6 मार्च 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

उर्जित पटेल को मौत की धमकी देने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नागपुर/मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआइ) के गवर्नर उर्जित पटेल को धमकी देने वाले को पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान 37 वर्षीय वैभव बद्दलवार के रूप में हुई है। उसने पटेल को ईमेल भेजकर पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था। बात नहीं मानने पर आरबीआइ गवर्नर और उनके परिजनों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। मुंबई पुलिस साइबर सेल के उपायुक्त अखिलेश सिंह के अनुसार, धमकी भरा ईमेल उर्जित पटेल को 23 फरवरी को मिला था।

उन्होंने उक्त ईमेल एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी को फारवर्ड कर दिया। बाद में इस बारे में मुंबई पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई। जांच में पुलिस ने पाया कि उक्त ईमेल नागपुर के एक साइबर कैफे से भेजा गया है।

इसके बाद पुलिस की एक टीम ने नागपुर जाकर वैभव को गिरफ्तार किया। आरोपी को नागपुर की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 6 मार्च तक के लिए पुलिस कस्टडी में सौंप दिया गया।

भारत के सबसे ऊंचे तिरंगे पर पाकिस्तान की आपत्तियों को बीएसएफ ने किया खारिज

मुंबई

बीएसएफ ने एलओसी के पास देश के सबसे ऊंचे तिरंगे को लेकर पाकिस्तान की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान ने अटारी बॉर्डर के नजदीक फहराए गए 360 फीट ऊंचे तिरंगे पर ऐतराज जताया है। जवाब में बीएसएफ का कहना है कि तिरंगा लाइन ऑफ कंट्रोल से 200 मीटर की दूरी पर है।

बीएसएफ ने रविवार को अटारी-बाघा जॉइंट चेक पोस्ट के नजदीक देश का सबसे ऊंचा तिरंगा झंडा फहराया। 360 फीट ऊंचे (करीब 110 मीटर) इस तिरंगे को अमृतसर के साथ-साथ लाहौर से भी देखा जा सकता है। यहां से अमृतसर और लाहौर करीब 18 किलोमीटर की दूरी पर है। तिरंगे के खंभे का वजन 5,500 किलोग्राम है और इसे 3.5 करोड़ की लागत से 3 महीने में बनाया गया। यह दुनिया का 10वां सबसे ऊंचा झंडा भी है।

अटारी बॉर्डर के नजदीक फहराया गया तिरंगा देश का सबसे ऊंचा तिरंगा है। इससे पहले रांची के पहाड़ी मंदिर पर 293 मीटर खंभे पर फहराया गया तिरंगा देश का सबसे ऊंचा तिरंगा था। पहाड़ी मंदिर पर लगे तिरंगे को 23 जनवरी 2016 को मनोहर पर्रिकर ने फहराया था।

हमारा मंत्र सबका साथ, सबका विकास - मोदी

वाराणसी

वाराणसी में करीब पांच किलोमीटर लंबा रोड-शो करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विद्यापीठ में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, पहले आए दिन घोटालों की हेडलाइन बनती थी कि इतने रुपए गए। पहले सिर्फ गए, गए, गए.. । और अब कितने आए, आए, आए.. की खबर आती है।

सपा, बसपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 8 नवंबर को आठ बजे रात को जब नोटबंदी का ऐलान किया तो सपा, बसपा और कांग्रेस सभी दल इकट्ठे हो गए और एक दूसरे से बचने का उपाय पूछने लगे। नोटबंदी से सबकी नैया डूबी इसलिए ये इकट्ठे हुए। बहनजी तो कह रही थीं कि मोदीजी आठ घंटे का वक्त तो दे देते।

सर्जिकल स्ट्राइक से देश की सेना ने सीमा पार जाकर दिन में तारे दिखाए। उन्होंने बिना नाम लिए विरोधियों को घेरा और कहा कुछ ऐसे भी नेता हैं कि सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांग रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम भारत आर्थिक रूप से विकास कर रहा है, लेकिन पूर्वी भारत और पूर्वांचल का विकास नहीं हो रहा है। इस असंतुलन की वजह से ही भारत का ठीक से विकास नहीं हो पा रहा है। मैं इस असंतुलन को ठीक करना चाहता हूं।

पीएम मोदी ने जनसभा में कहा कि मार्क ट्वेन ने कहा था कि हमारा बनारस इतिहास से भी पुराना है। यह दुनिया का बेजोड़ नगर है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ दिक्कतें दूर हो जाएं तो दुनिया जैसे सोचती है वैसा बनारस बन सकता है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोड-शो रविवार को किया। इस दौरान उन्हें लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला। सड़कों पर लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा।

उनका पुलिस लाइन से रोड-शो शुरू हुआ जो कि काशी विद्यापीठ पहुंचा। पीएम ने एक खुली गाड़ी में सवार होकर रोड-शो किया। यह रोड-शो शहर के पांडेयपुर, तेलियाबाग, पटेल आदि इलाकों से होते हुए काशी विद्यापीठ पर पहुंचा। इसके बाद पीएम मलदहिया चौक में पहुंचें। रोड-शो के शुरू करने के लिए पीएम रविवार शाम वाराणसी के एयरपोर्ट पहुंचे और फिर पुलिस लाइन से रोड-शो शुरू किया। रोड-शो के समय में थोड़ा बदलाव भी किया गया था। पहले दोपहर 2.35 पर पीएम मोदी को वाराणसी पहुंचना था, लेकिन वे साढ़े चार बजे पहुंचे। यह रोड-शो तकरीबन पांच किलोमीटर का था।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

मोदी का एक रोड-शो फेल हुआ, तभी कर रहे हैं दूसरा रोड-शो - अखिलेश

उत्तरप्रदेश की जनता से भाजपा और बसपा दोनों से सावधान रहने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी का रोड-शो फ्लॉप हो गया और इसी वजह से उन्हें दोबारा रोड-शो करना पड़ रहा है। अखिलेश ने यहां एक चुनावी सभा में कहा, परीक्षा वही देता है जो फेल होता है। मोदी का एक रोड-शो फेल हो गया इसलिए दूसरा कर रहे हैं, कितने रोड-शो करेंगे? उन्होंने कहा कि हम लैपटॉप और स्मार्टफोन की बात करते हैं, लेकिन भाजपा वाले कब्रिस्तान और श्मशान की बातें कह रहे हैं। स्मार्ट फोन इसलिए दे रहे हैं ताकि आम जनता सरकार से सीधे जुड़ जाए। मोदी पर हमला जारी रखते हुए अखिलेश ने कहा, मिर्जापुर में प्रधानमंत्री कह गये कि हर चीज में रेट चलता है। शिकायत में रेट, नौकरी में रेट, इसमें रेट, उसमें रेट हम कहते हैं कि एक चीज का रेट बता दीजिए जो आप कहेंगे, हम मान लेंगे। हम तो रेट जानना चाहते हैं, लेकिन वो नहीं बता रहे हैं। उन्होंने मोदी और भाजपा से सावधान रहने की अपील दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को काम की बात करनी चाहिए, लेकिन वह मन की बात करते हैं और उनके मन की बात कोई नहीं समझा है। हमने कहा कि काम की बात कीजिए तो पीछे भाग रहे हैं।

केरल में संघ कार्यकर्ताओं पर फिर हमला, तीन घायल

कोझिकोड

केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं को फिर निशाना बनाया गया है। माकपा कार्यकर्ताओं के कथित हमले में संघ के तीन कार्यकर्ता घायल हुए हैं। तीन दिन पहले भी संघ के कार्यालय पर देसी बम से हमला किया गया था। इसमें चार कार्यकर्ता घायल हुए थे।

पुलिस के अनुसार, सभी घायलों को यहां के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन पर शनिवार रात कोयिलांदी के किझैयूर गांव में हमला किया गया था। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसके पहले गुरुवार की रात नंदपुरम इलाके में स्थित संघ दफ्तर पर एक देसी बम फेंका गया था। गौरतलब है कि केरल में खासतौर पर कन्नूर जिले में लंबे समय से राजनीतिक उहसा का दौर जारी है। संघ और माकपा एक-दूसरे पर हमलों का आरोप लगाती रही हैं। राज्य में जारी इस उहसा में अब तक दोनों ओर के कई लोग मारे जा चुके हैं।

आतंकियों के साथ मुठभेड़ में पुलिस कॉन्सटेबल शहीद, दो आतंकी ढेर

आतंकी ने फोन पर पिता को कहा- अलविदा

श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर के त्राल में सुरक्षाबलों और अतंकवादियों के बीच करीब 12 घंटे तक चली मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया और दो आतंकवादी मारे गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकवादी आकिब भट उर्फ अकिब मौलवी, एक अन्य

आतंकवादी सैफउल्लाह उर्फ ओसामा मारे गए हैं। आकिब पिछले 3 वर्षों से इस क्षेत्र में सक्रिय था और आतंकवादी सैफउल्लाह उर्फ ओसामा पाकिस्तानी आतंकवादी था और जैश ए मोहम्मद के लिए काम करता था। उन्होंने बताया कि इस अभियान की अगुआई करने वाले पुलिस कांस्टेबल मुजूर अहमद नायक शहीद हो गए। अभियान कल शाम 7 बजे से शुरू हो कर सुबह 6.30 बजे तक चला। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में छिपे आतंकवादी भट ने तड़के अपने पिता को फोन कर उन्हें अलविदा कहा। वह स्थानीय निवासी था और उसका पैतृक मकान त्राल के हायना में था। सुरक्षा बलों को दो आतंकवादियों के एक कारपेंटर के मकान में छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने क्षेत्र को घेर लिया।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

चुस्त की जाएगी हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था

नई दिल्ली

आतंकी हमलों की आशंका को देखते हुए देश के हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था और चुस्त की जाएगी। इसके लिए हवाई अड्डों पर बख्तरबंद वाहन, स्मार्ट सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा बाड़ लगाए जाएंगे। सीआइएसएफ को देश के 59 हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। सीआइएसएफ सुरक्षा उपकरणों की तैनाती और बुनियादी ढांचे के मानकीकरण के लिए योजना का मसौदा तैयार करने में जुट गया है। इस योजना को लागू कर दिए जाने के बाद भारत के हवाई अड्डे विश्व के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों में शुमार हो जाएंगे।

इस सिलसिले में सीआइएसएफ, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और हवाई अड्डा संचालकों की एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति ने चुने हुए हवाई अड्डों का सुरक्षा आकलन शुरू कर दिया है। हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था को अपग्रेड करने का शुरुआती काम अगले कुछ महीने में शुरू हो जाने की उम्मीद है।

सीआइएसएफ के महानिदेशक ओपी सिंह ने बताया कि हम हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए मसौदा तैयार कर रहे हैं। इसके तहत हमारी योजना पूरा सुरक्षा ढांचा बदलने की है। इसमें बाहरी सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा।

अखिलेश के साथ मिलकर यूपी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे - राहुल

सोनभद्र

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उत्तरप्रदेश में पहली बार दो युवा नेतृत्व गठजोड़ कर चुनाव लड़ रहे हैं और दोनों मिलकर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

राहुल ने यहां एक चुनावी जनसभा में कहा, उत्तरप्रदेश में पहली बार दो युवा नेतृत्व कांग्रेस और सपा के गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जिसमें प्रदेश के युवाओं को समग्र और जोरदार भागीदारी करनी होगी। मैं यहां चुनावी वायदे करने नहीं आया हूं बल्कि अखिलेश यादव के साथ प्रदेश को विकास की नई ऊंचाई प्रदान कर बदलने आया हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर साल दो करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का वायदा किया था लेकिन इस वायदे को पूरा नहीं किया।

पीएम ने किसानों के नहीं, अमीरों के कर्ज माफ किए

राहुल ने कहा, मोदीजी ने देश के पचास अमीरों के एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर दिये। मैंने भी कर्ज के बोझ से दबे किसानों की हालत देखकर प्रधानमंत्री से किसानों की 50 हजार करोड़ रुपये कर्ज माफी का अनुरोध किया मगर उन्होंने अनसुना कर दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मनमोहन सिंह की सरकार बनने के दस दिन के भीतर ही किसानों का 70 हजार करोड़ रुपये कर्ज माफ कर दिया था।

प्रदेश की दुर्दशा के लिए भाजपा और बसपा को जिम्मेदार ठहराते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सपा-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों के कर्ज माफ होंगे, युवाओं को स्थानीय उत्पाद और हुनर के मुताबिक रोजगार मुहैया होगा, पांच महिला विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी तथा गरीब और होनहार विद्यार्थियों के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी।

गायत्री प्रजापति के मंत्री बने रहने पर गवर्नर ने लिखा मुख्यमंत्री अखिलेश को पत्र

लखनऊ

उत्तरप्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से बलात्कार के आरोपी मंत्री गायत्री प्रजापति को कैबिनेट में बनाये रखने का औचित्य जानना चाहा।

राजभवन के एक प्रवक्ता के मुताबिक राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति पर एक महिला तथा उसकी नाबालिग पुत्री के साथ अपने साथियों सहित सामूहिक दुष्कर्म के आरोप को संज्ञान में लिया। उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है।

राज्यपाल ने कहा, इस प्रकार के मंत्री के कैबिनेट में बने रहने तथा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किये जाने से लोकतांत्रिक शुचिता, संवैधानिक मर्यादा और संवैधानिक नैतिकता का गंभीर प्रश्न उत्पन्न होता है। प्रवक्ता के मुताबिक पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री प्रजापति के कैबिनेट में बने रहने के औचित्य पर अपने अभिमत से उन्हें जल्द से जल्द अवगत करायें।

गायत्री प्रजापति के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

नाईक ने कहा कि मीडिया में आयी खबरों के अनुसार फरार चल रहे कैबिनेट मंत्री के विदेश भाग जाने की आशंका को देखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया है।

पासपोर्ट अधिकारी द्वारा उनका पासपोर्ट भी निलंबित कर दिया गया है। प्रजापति के राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर रहते हुए कथित रूप से किया गया अपराध नितांत गंभीर प्रकृति की घटना है।

मतगणना को लेकर मुस्तैद हुआ चुनाव आयोग

नई दिल्ली

केंद्रीय चुनाव आयोग ने अब 11 मार्च को होने वाली पांच राज्यों की मतगणना के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। आयोग ने चुनावी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को इस दौरान फुलप्रूफ इंतजाम करने का निर्देश दिया है। ये इंतजाम सात मार्च की रात तक पूरे कर लिए जाने हैं।

केंद्रीय चुनाव आयोग ने इसके लिए पांचों चुनावी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) के साथ कई बार वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक की है। इन्हें कहा गया है कि मतदान मशीनों की पूर्ण सुरक्षा के साथ ही मतगणना करने वाले कर्मचारियों व एजेंटों को ले कर नियमों और प्रक्रिया को पूरी स्पष्टता के साथ उम्मीदवारों के साथ साझा किया जाए।

11 मार्च को होने वाली मतगणना के लिए उत्तरप्रदेश में 75, पंजाब में 53, उत्तराखंड में 15, मणिपुर में 12 और गोवा में दो मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से इस संबंध में मशविरा किया है। सभी चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि मतगणना के दौरान प्रक्रिया का पूरा ध्यान रखा जाए और इस लिहाज से कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई जाए। मतगणना केंद्रों में गिनती करने वाले कर्मचारियों और एजेंट के बीच सही तरीके से बैरिकेडिंग होनी चाहिए। इसी तरह स्ट्रांग रूम से ले कर मतगणना कक्ष तक भी पूरी तरह से बैरिकेडिंग करनी होगी। इस दौरान पूरी प्रक्रिया के साथ ही सामान्य गतिविधियों की भी वीडियोग्राफी करनी होगी।

मतगणना के लिए तैयारी की प्रक्रिया में ईवीएम मशीनों की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं होनी चाहिए। यह पूरी योजना सभी उम्मीदवारों से भी साझा की जाएगी। साथ ही मतगणना की वास्तविक तैयारी के दौरान भी सभी उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधियों को मौजूद रहने की छूट होगी। मतगणना कक्ष के आस-पास बिना तलाशी के किसी भी व्यक्ति को जाने की इजाजत नहीं होगी। इन पांच राज्यों में अगली सरकार का फैसला 11 मार्च को होने वाली मतगणना के दौरान होगा।

जून में पूरी तरह चालू हो सकता है वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे

नई दिल्ली

कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के जून अंत तक पूरी तरह चालू होने की उम्मीद है। परियोजना का सत्तर फीसद हिस्सा पूरा हो चुका है, जबकि शेष तीस फीसद हिस्से के अगले तीन माह में पूर्ण होने की संभावना है।

एनएच-2 को दिल्ली से बाहर-बाहर होते हुए एनएच-1 से जोड़ने वाली 136 किलोमीटर लंबे छह लेन के पश्चिमी एक्सप्रेस-वे का कार्यान्वयन हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन (एचआइडीसी) की ओर से दो हिस्सों में बांट कर कराया जा रहा है। पलवल-मानेसर (53 किमी) का कांट्रैक्ट एचएलएस लिमिटेड को, जबकि मानेसर-कुंडली (83 किमी)

हिस्सा एस्सेल इंफ्रा को दिया गया है। पलवल-मानेसर का हिस्सा पिछले साल पूरा हो गया था, जिसे 5 अप्रैल को यातायात के लिए खोल दिया गया था, जबकि मानेसर-कुंडली हिस्से पर काम जारी है। इस तरह कुल मिलाकर परियोजना का लगभग सत्तर फीसद काम पूरा हो गया है। शेष तीस फीसद हिस्से में मिट्टी की परतें बिछाने, कंक्रीट की सतह डालने तथा पुलों के निर्माण के कार्य साथ-साथ जारी हैं। विलंबित होने से इस परियोजना पर अंततः लगभग 9000 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

एचएसआइआइडीसी के एक अधिकारी ने कहा, कुंडली में ग्रेड सेपरेटर बनाने के लिए हमें जमीन के अधिग्रहण में किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ा। लिहाजा परियोजना का बाकी काम अगले 75 दिनों में पूरा हो जाएगा। पंचगांव से पटौदी रोड क्रासिंग के बीच के सात किलोमीटर के हिस्से में, जहां फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है, वहां कंक्रीट की निचली सतह डालने का काम पूरा हो चुका है। ऐसे में अगले तीन महीने में सड़क और फ्लाईओवर दोनो का निर्माण कार्य समाप्त होने की आशा है। पटौदी रोड क्रासिंग से फारुखनगर के बीच कंक्रीट बिछाने का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि फ्लाईओवर का कार्य जारी है। परियोजना के पूरा होने पर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा से आने वाले वाहन एनएच-8 होते हुए राजस्थान और गुजरात की ओर जा सकेंगे, जबकि एनएच-2 की ओर जाने के इच्छुक वाहन मध्य एवं दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों की ओर रुख कर सकेंगे। दोनो ही दशाओं में वाहनों का दिल्ली के बीच से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा।

केएमपी अथवा वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे परियोजना पर 2007 में कार्य प्रारंभ हुआ था। उस समय इसे तीन साल में पूरा करने की समय सीमा तय की गई थी परंतु तत्कालीन कंसेशनेयर डीएस कांस्ट्रक्शन के साथ बैंकों तथा तत्कालीन हरियाणा सरकार के बीच विवाद के कारण इसमें सात साल का विलंब हो गया। वर्ष 2014 में जब केंद्र में भाजपा ने सत्ता संभाली और फिर हरियाणा की कमान भी भाजपा को मिली तो जुलाई, 2015 में परियोजना को डीएस कांस्ट्रक्शन से लेकर एचएलएस लिमिटेड तथा एस्सेल इंफ्रा लिमिटेड को सौंप दिया गया।

■ शेष पृष्ठ 2 पर